भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2228

09 अगस्त, 2024 को उत्तर के लिए

इस्पात आयात पर निर्भरता कम करने के लिए कदम

2228. श्री दिग्विजय सिंह:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) घरेलू इस्पात उद्योग पर कम कीमत वाले इस्पात आयात के प्रभाव को कम करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं;

(ख) सरकार कच्चे माल की कमी के मुद्दे का समाधान किस प्रकार कर रही है और नए लौह अयस्क स्रोतों को सुरक्षित करने और इस्पात पुनर्चक्रण का संवर्धन करने के लिए नीतियों का समर्थन कर रही है;

(ग) वर्ष 2019 से विभिन्न देशों से आयातित इस्पात की वर्ष-वार मात्रा कितनी है; और

(घ) इस्पात के आयात, विशेषकर चीन से आयात पर निर्भरता को कम करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री **(श्री भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा)**

(क) से (घ): वर्ष 2019 से चीन सहित तैयार इस्पात के आयात का देश-वार विवरण **अनुलग्नक** में है।

इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है जहां कीमत मांग एवं आपूर्ति, वैश्विक बाजार की स्थितियों, कच्चे माल की कीमत के रुझानों, लॉजिस्टिक लागत, बिजली एवं ईंधन लागत आदि पर निर्भर करती है।

घरेलू इस्पात उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदम निम्नानुसार हैं:-

(i) उद्योग, उपयोगकर्ताओं और आम जनता को बड़े पैमाने पर गुणवत्तापूर्ण इस्पात की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए गुणवत्ता नियंत्रण आदेश के अंतर्गत 145 भारतीय मानकों को अधिसूचित किया गया है।

(ii) घरेलू इस्पात उद्योग से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए आयात की अधिक प्रभावी निगरानी हेतु इस्पात आयात निगरानी प्रणाली (एसआईएमएस) को नया रूप दिया गया और एसआईएमएस 2.0 को दिनांक 25.07.2024 को लॉन्च किया गया।

जारी....2/-

(iii) सरकार ने देश में 'विशेष इस्पात' के विनिर्माण को बढ़ावा देने और पूंजीगत निवेशों को आकर्षित कर आयात को कम करने के लिए विशेष इस्पात हेतु उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना शुरू की है। पीएलआई योजना के तहत विशेष इस्पात हेतु 29,500 करोड़ रुपए का अतिरिक्त निवेश और विशेष इस्पात के लिए लगभग 25 मिलियन टन (एमटी) की अतिरिक्त क्षमता का सृजन अनुमानित है।

(iv) सरकारी अधिप्राप्ति हेतु 'मेड इन इंडिया' इस्पात को बढ़ावा देने के लिए घरेलू स्तर पर विनिर्मित लौह एवं इस्पात उत्पाद नीति (डीएमआईएंडएसपी) का कार्यान्वयन।

(v) केन्द्रीय बजट 2024-25 में, फेरो निकल और मॉलिब्डेनम अयस्कों और कान्संट्रेट जो इस्पात उद्योग के लिए कच्चा माल है, पर मूल सीमा शुल्क (बीसीडी) 2.5 % से घटाकर शून्य कर दिया गया है। फेरो स्क्रैप और विशिष्ट सीआरजीओ इस्पात के विनिर्माण हेतु कच्चे माल पर बीसीडी छूट 31.03.2026 तक जारी रखी गई है।

वर्तमान में भारत के पास, लौह अयस्क और नॉन-कोकिंग कोल के पर्याप्त भंडार हैं। हालांकि, भारत कोकिंग कोल के लिए आयात पर निर्भर है, जो ब्लास्ट फर्नेस रूट का उपयोग करने वाले एकीकृत इस्पात उत्पादकों के लिए एक महत्वपूर्ण कच्चा माल है, क्योंकि उच्च गुणवत्ता वाले कोकिंग कोल की उपलब्धता सीमित है।

सरकार ने कुछ देशों पर निर्भरता से बचने के लिए आयातित कोकिंग कोल के स्रोतों में विविधतता लाने की सुविधा प्रदान की है। ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, मोजाम्बिक आदि के स्थापित स्रोतों के अलावा रूस एवं मंगोलिया से भी कोकिंग कोल को प्राप्त करने के लिए पहल की गई है।

इसके अलावा, सरकार ने कोकिंग कोल के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए भी कदम उठाए हैं और कोयला मंत्रालय ने राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2017 में अनुमानित घरेलू कोकिंग कोल की मांग को पूरा करने के लिए वित्त वर्ष 2022 में मिशन कोकिंग कोल की शुरुआत की है। घरेलू कच्चे कोकिंग कोल का उत्पादन वर्ष 2030 तक 140 एमटी तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है, धुलाई के बाद इससे लगभग 48 एमटी प्रयोग होने योग्य कोकिंग कोल प्राप्त होगा।

सरकार ने विभिन्न स्रोतों और विभिन्न उत्पादों से सृजित फेरस स्क्रैप के वैज्ञानिक प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण हेतु भारत में मेटल स्क्रैपिंग केन्द्रों की स्थापना को सुविधाजनक बनाने और उसे बढ़ावा देने के लिए नवंबर, 2019 में इस्पात स्क्रैप पुनर्चक्रण नीति को अधिसूचित किया है।

****

अनुलग्नक

वर्ष 2019-20 से 2023-24 तक तैयार इस्पात का देशवार आयात

मात्रा ('000 टन में)

क्र. सं.	**देश का नाम**	**2019-20**	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**	**2023-24**
1	चीन	1,207	843	833	1,407	2,687
2	कोरिया	2,687	1,947	2,009	2,228	2,670
3	जापान	1,018	560	664	841	1,274
4	वियतनाम	86	133	75	320	737
5	ताइवान	165	186	194	163	185
6	नेपाल	6	6	9	59	120
7	इंडोनेशिया	464	79	241	148	94
8	जर्मनी	135	146	151	112	80
9	थाईलैंड	52	50	25	53	58
10	रूस	71	63	55	313	53
11	संयुक्त अरब अमीरात	21	21	24	12	52
12	ऑस्ट्रिया	13	71	9	10	52
13	सऊदी अरब	8	36	14	9	39
14	इटली	81	33	34	31	23
15	यूएसए	65	54	29	17	20
16	स्वीडन	23	27	39	48	20
17	हॉग कॉग	0	0	0	1	18
18	बेल्जियम	74	56	28	33	17
19	रोमानिया	3	1	1	2	17
20	फ्रांस	56	121	58	77	15
21	ओमान	4	12	5	7	11
22	कुवैत	8	3	3	3	9
23	दक्षिण अफ्रीका	22	15	8	5	7
24	फिनलैंड	9	5	5	7	6
25	कनाडा	20	17	10	11	6
26	मलेशिया	51	42	8	20	6
27	स्पेन	32	20	27	21	5
28	यूके	17	11	6	5	4
29	चेक रिपब्लिक	2	0	1	2	4
30	सिंगापुर	139	43	8	6	4
31	अन्य	230	153	96	50	29
कुल आयात		**6,768**	**4,752**	**4,669**	**6,022**	**8,320**
तैयार इस्पात का उत्पादन		**102,621**	**96,204**	**113,597**	**123,196**	**139,153**

स्रोत: संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी)

******